Under CSR Support by ipca | Foundation
missiongyan

बहुविकल्पी प्रश्न

1. भारत में नदियों की संख्या है:

(अ) 10,500 (ब) 10,000

(स) 10,360 (द) 11,000

2. जल संग्रहण कुंड को कहते हैं:

(अ) बाँध (ब) तालाब

(स) टांका (द) झील

3. जल उपकर अधिनियम कब बनाया गया?

(अ) 1977 (ब) 1986

(स) 1974 (द) 1997

4. स्थलखण्ड से घिरा समुद्री जल क्षेत्र, जो उथला होता है, क्या कहलाता है?

(अ) लैगून (ब) सभी विकल्प सही है

(स) नदीय द्वीप (द) जल संभर

5. भौम जल प्रदूषण निम्न में से किसके संकेंद्रण के कारण होता है?

(अ) उर्वरक और कीटनाशक से (ब) घरेलू अपशिष्ट पदार्थों से

(स) औद्योगिक बहि:स्त्राव से (द) फ्लुओराइड और नाइट्रेटस से

6. पृथ्वी का लगभग कितना प्रतिशत धरातल जल से ढँका हैं?

(अ) 27% (ब) 71%

(स) 73% (द) 29%

7. देश में प्रयुक्त कुल जल का सबसे अधिक समानुपात निम्नलिखित सेक्टरों में से किस सेक्टर में है?

(अ) घरेलू उपयोग (ब) इनमें से कोई नहीं

(स) सिंचाई (द) उद्योग

8. भारत में उपलब्ध धरातलीय जल तथा पुन: पूर्तियोग्य भौम जल का कितना प्रतिशत लाभदायक उपयोग हेतु उपलब्ध है?

(अ) 40% (ब) 70%

(स) 60% (द) 50%

मिशन ज्ञान
पढ़ें : जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES

9. जिन नहरों में वर्षा के समय जल उपलब्ध होता है। वह क्या कहलाती हैं?

(अ) नहरें (ब) मानसून नहरें

(स) लैगून (द) सभी विकल्प सही है

10. विश्व के कुल जल-संसाधन का कितना प्रतिशत भारत में उपलब्ध है?

(अ) 3% (ब) 5%

(स) 4% (द) 6%

रिक्त स्थान

11. भारत के कुल भू-भाग का लगभग _____ प्रतिशत भाग विश्व के मीठे जल संसाधनों का मालिक है।

12. भारत में वर्षा जल संचयन की एक प्रमुख परंपरागत तकनीक _____ कहलाती है।

सत्य/असत्य

13. भारत में कुल उपलब्ध मीठे जल का लगभग 60 प्रतिशत कृषि कार्यों में प्रयोग होता है।

14. राजस्थान में वर्षा का वितरण समान रूप से होता है।

अति लघूत्तरात्मक प्रश्न

15. भारत में कौन-सा सेक्टर (आर्थिक क्रिया) धरातलीय और भौम जल का सर्वाधिक उपयोग करता है?

16. वर्षा जल संग्रहण क्यों आवश्यक हैं?

लघूत्तरात्मक प्रश्न

17. भारत में जल संभर प्रबंधन का कितना विकास हुआ है?

18. देश में सिंचाई के वितरण पर संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत कीजिए।

निबंधात्मक प्रश्न

19. दक्षिण भारत की प्रमुख नदियों में अपने वार्षिक जल प्रवाह का अधिकतर भाग काम में लाया जाता है। लेकिन ब्रह्मपुत्र व गंगा नदियों के बेसिनों में ऐसा संभव नहीं हो पाया है। क्यों

20. विकास को सुनिश्चित करने के लिए जल संरक्षण क्यों आवश्यक है? जल-संसाधनों के संरक्षण से संबंधित मूल्यों की दृष्टि से व्याख्या कीजिए।

HOTS

21. जल का पुनः चक्र और पुनः उपयोग क्यों आवश्यक हैं?

मिशन ज्ञान
जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES

1. **(स)** 10,360
2. **(स)** टांका
3. **(अ)**
   जल उपकर अधिनियम 1977 में बनाया गया।
4. **(अ)** लैगून
5. **(द)**
   भौम जल प्रदूषण देश के विभिन्न भागों में भारी/विषैली धातुओं, फ्लुओराइड और नाइट्रेट्स के संकेंद्रण के कारण होता है।
6. **(ब)**
   पृथ्वी का 71 प्रतिशत हिस्सा पानी से ढका हुआ है। 1.6 प्रतिशत पानी जमीन के नीचे है और 0.001 प्रतिशत वाष्प और बादलों के रूप में है। पृथ्वी की सतह पर जो पानी है उसमें से 97 प्रतिशत सागरों और महासागरों में है जो नमकीन है और पीने के काम नहीं आ सकता। केवल तीन प्रतिशत पानी पीने योग्य है जिसमें से 2.4 प्रतिशत ग्लेशियरों और उत्तरी औद दक्षिणी ध्रुव में जमा हुआ है और केवल 0.6 प्रतिशत पानी नदियों, झीलों और तालाबों में है जिसे इस्तेमाल किया जा सकता है।
7. **(स)** सिंचाई
8. **(स)**
   एक अनुमान के अनुसार पृथ्वी पर कुल 32 करोड़ 60 लाख खरब गैलन पानी है। सागरों का पानी वाष्प बनकर उड़ता है, बादल बनकर बरसता है और फिर सागरों में जा समाता है. और ये चक्र चलता रहता है।
9. **(ब)** मानसून नहरें
10. **(स)**
    दुनिया भर में जितना मीठा पानी मौजूद है उसमें से भारत के पास सिर्फ 4% ही है।
11. 2.45
12. टांका
13. सत्य
14. असत्य
15. भारत एक कृषि प्रधान देश है। कृषि हेतु जल एक महत्त्वपूर्ण घटक होता है। भौम जल स्तर का सर्वाधिक प्रयोग कृषि हेतु सिंचाई में किया जाता है।
16. वर्षा जल संग्रहण विभिन्न उपयोगों के लिए वर्षा के जल को रोकने और एकत्र करने की विधि है। इसका उपयोग भूमिगत जलभृतों के पुनर्भरण के लिए भी किया जाता है। यह एक कम मूल्य और पारिस्थितिकी अनुकूल विधि है जिसके द्वारा पानी की प्रत्येक बूँद संरक्षित करने के लिए वर्षा जल को नलकूपों, गड्ढों और कुओं में एकत्र किया जाता है।
17. भारत में जल संचयन प्रबंधन में महत्वपूर्ण विकास हुआ है। सरकार ने कई योजनाएँ शुरू की हैं, जैसे "नमामि गंगे" और "जल शक्ति अभियान", जो जल संसाधनों के संरक्षण को बढ़ावा देती हैं। विभिन्न राज्यों में वर्षा जल संचयन, तालाबों का पुनरुद्धार, और नहरी सिस्टम का विकास किया जा रहा है। तकनीकी नवाचार, जैसे कि स्मार्ट मीटरिंग और डेटा विश्लेषण, जल प्रबंधन में सुधार कर रहे हैं। इसके बावजूद, क्षेत्रीय असमानता और जागरूकता की कमी चुनौतियाँ बनी हुई हैं।

मिशन ज्ञान
पढ़ें जहाँ चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES

18. भारत में सिंचाई का वितरण क्षेत्रीय असमानताओं पर निर्भर है। उत्तरी और पश्चिमी भारत, जैसे कि पंजाब, हरियाणा, और राजस्थान, में बेहतर सिंचाई सुविधाएँ हैं, जबकि पूर्वी और दक्षिणी भारत में सिंचाई का स्तर कम है। यहाँ नदियों, जलाशयों और भूजल पर निर्भरता अधिक है। सिंचाई की प्रणालियाँ जैसे नहरी, ड्रिप, और स्प्रिंकलर सिस्टम भी भिन्न होती हैं। जलवायु और भूमि की गुणवत्ता के आधार पर सिंचाई की आवश्यकता और विधियाँ भिन्न होती हैं, जिससे कृषि उत्पादन प्रभावित होता है।

19. दक्षिण भारत की प्रमुख नदियों में अपने वार्षिक जल प्रवाह का अधिकतर भाग काम में लाया जाता है। लेकिन ब्रह्मपुत्र व गंगा नदियों के बेसिनों में ऐसा संभव नहीं हो पाया है। क्योंकि-

i. गंगा एवं ब्रह्मपुत्र नदियों के बेसिनों में द. भारत की नदियों की अपेक्षा अधिक वर्षा होती है। इनका प्रवाह बहुत तीव्र एवं वर्ष पर्यन्त है।

ii. गंगा व ब्रह्मपुत्र जैसे उत्तर भारतीय नदियों का धरातल मुलायम, समतल व नदी अवरोधों से मुक्त है। इसलिए इन नदियों के जल का अधिकांश भाग समुद्रो में चला जाता है। इसका प्रयोग नहीं होता।

iii. दक्षिण भारत की नदियों में जल का अधिकांश भाग तालाबों व जलाशयों में एकत्र किया जाता है। इन नदियों पर जल प्रपात व अन्य अवरोध पाये जाते है

इस कारण उनके जल का अधिकांश भाग प्रयोग में लाया जाता है।

20. विकास को सुनिश्चित करने के लिए जल-संसाधनों का संरक्षण अति आवश्यक हैं, क्योंकि-

i. भारत में विश्व की लगभग 16% जनसंख्या निवास करती हैं जबकि जल संसाधन यहाँ केवल 4% हैं।

ii. भारत में उपयोग योग्य जल बहुत सीमित है।

iii. अलवणीय जल की घटती हुई उपलब्धिता और बढ़ती माँग से, सतत पोषणीय विकास के लिए इस महत्वपूर्ण जीवनदायी संसाधन के संरक्षण और प्रबंधन की आवश्यकता बढ़ गई है।

iv. प्रदूषण जल-संसाधनों को अनुपयोगी बना रहा है।

v. जनसंख्या तेजी से बढ़ रही हैं, अतः जल की माँग भी तीव्र गति से बढ़ रही है।

21. पुनः चक्र और पुनः उपयोग ऐसी क्रियायें हैं जिनके द्वारा अलवणीय जल की उपलब्धता को सुधारा जा सकता है। कम गुणवत्ता के जल का उपयोग, जैसे शोधित अपशिष्ट जल, उद्योगों के लिए एक आकर्षक विकल्प हैं। इसी तरह नगरीय क्षेत्रों में स्नान और बर्तन धोने में प्रयुक्त जल को बागवानी के लिए उपयोग में लाया जा सकता है। वाहनों को धोने के लिए प्रयुक्त जल का उपयोग भी बागवानी में किया जा सकता है। इससे अच्छी गुणवत्ता वाले जल का पीने के उद्देश्य के लिए संरक्षण होगा। वर्तमान में, पानी का पुनः चक्रण एक सीमित मात्रा में किया जा रहा है। फिर भी, पुनः चक्रण द्वारा पुनः पूर्तियोग्य जल की उपादेयता व्यापक है।

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES